7

प्रथम शोध का रोमांच

पी.सी. वैद्य न सिर्फ एक प्रखर गणितज्ञ व प्रबुद्ध शिक्षाशास्त्री थे, परन्तु साथ ही एक सच्चे गाँधीवादी भी। उनके गुज़र जाने के एक-दो साल पहले तक यानी 85-86 साल की उम्र में भी वे अहमदाबाद की सड़कों पर अपना सब काम साइकिल के ज़रिए करते थे।

इस आत्मकथानक ब्यौरे में वे बयान करते हैं कि उनको अपनी सबसे पहली शोध में सही रास्ता कैसे मिला। कुछ-कुछ 'यूरेका-यूरेका' जैसा ही किस्सा जान पड़ता है। उनका यह अनुभव व उनके आगे के शोध सफर के बारे में पढ़िए इस लेख में।

सीखने की जगह - कनव्

मुख्य धारा से हटकर बच्चों की शिक्षा को लेकर कई वैकल्पिक प्रयास हमारे देश में हुए हैं। शिक्षा का ऐसा ही एक प्रयास केरल के आदिवासी बहुल वायनाडू ज़िले में किया गया। नाटककार और लेखक के.जे. बेबी ने कनव् की शुरुआत की। अवधारणा के रूप में कनव् एक सामूहिक जीवन जीने और उस दौरान हर मौके का इस्तेमाल शिक्षा के रूप में करने का तरीका है। प्रतियोगिता को दर किनार करते हुए हरेक व्यक्ति साथियों के साथ अपनी गति से सीखता है, और सिखाता भी है। स्थानीय परम्पराओं और आधुनिक ज्ञान का समावेश इसकी एक खास पहचान है। कनव् में बच्चे किस तरह सीखते हैं, इसे जानने के लिए इस लेख को पढ़िए।

25

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-13 (मूल अंक-70), जुलाई-अगस्त 2010

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

7 | **शोध का प्रथम रोमांच**
पी.सी. वैद्य

19 | **मेघ मरीचिका**
कैरन हैडॉक

25 | **सीखने की जगह - कनव्**
एलेक्स एम. जॉर्ज

39 | **विज्ञान की प्रक्रियाएँ**
डेविड जरनेर मार्टिन

47 | **किस्सा एक पहेली का**
महेश बसेड़िया

53 | **आँखें विवादों से घिरी रही हैं**
सुशील जोशी

60 | **जुलाई का जादू तितली उड़ी**
किशोर पंवार

65 | **कजरी गाय के बहाने**
कमलेश चन्द्र जोशी

78 | **पृथ्वी ग्रह का शिक्षण**
मुकेश मालवीय

83 | **पाठ्य पुस्तक**
नुऐमन

89 | **प्रेइंग मेंटिस के साथ सात दिन**
नीरज जैन